केन्द्रीय विद्यालय संगठन, जयपुर संभाग

नमूना प्रश्न पत्र : वार्षिक परीक्षा, 2022-23

निर्धारित समय : 3 घंटे कक्षा-12वीं विषय- हिन्दी (केन्द्रिक) अधिकतम अंक : 80

सामान्य निर्देश :-

- सभी प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सामने अंकित हैं।
- प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं अ, ब।
- प्रश्न-पत्र के खंड 'अ' में वस्तुपरक प्रश्न हैं एवं खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न हैं।
- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। जहां आवश्यक है वहां आंतरिक विकल्प दिया हुआ है।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक उपक्रमांक अवश्य लिखें।

खंड 'अ' (वस्तुपरक प्रश्न)

1. (अ.) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए: 1x10=10

बीसवीं शताब्दी में भारत ने ब्रिटिश साम्राज्यवादी- उपनिवेशवादी व्यवस्था को अपने ऊपर से उतार फेंका। महात्मा गाँधी की प्रेरणा से भारतीय जनता ने एक नए ढंग का संघर्ष कर अपनी स्वाधीनता प्राप्त की। गांधी जी ने राजनीतिक संघर्ष के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक व्यवस्था के विरुद्ध संघर्ष को भी स्वाधीनता संग्राम से जोड़ दिया। उनके लिए राजनैतिक और प्रशासनिक भेदभाव के खिलाफ लड़ना जितना महत्त्वपूर्ण था उतना ही महत्त्वपूर्ण था सामाजिक और धार्मिक ढाँचे के भीतर के भेदभाव के विरुद्ध खड़ा होना। अपनी 'आत्मकथा' में गांधी जी लिखते हैं – "ऐसे व्यापक सत्यनारायण के प्रत्यक्ष दर्शन के लिए प्राणीमात्र के प्रति आत्मवत (अपने समान) प्रेम की भारी जरूरत है। इस सत्य को पाने की इच्छा करने वाला मनुष्य जीवन के एक भी क्षेत्र से बाहर नहीं रह सकता। यही कारण है कि मेरी सत्य-पूजा मुझे राजनैतिक क्षेत्र में घसीट ले गई। जो कहते हैं कि राजनीति से धर्म का कोई संबंध नहीं है, मैं निस्संकोच होकर कहता हूँ कि ये धर्म को नहीं जानते और मेरा विश्वास है कि यह बात कह कर मैं किसी तरह विनय की सीमा को लाँघ नहीं रहा हूँ"। आज राजनीति को धर्म से अलग मानने वालों को गांधी जी की यह बात जरूर सुननी चाहिए। अपने इसी विश्वास के कारण गांधी जी ने सामाजिक और धार्मिक ढाँचे के भीतर समानता के संघर्ष को प्रमुखता से आगे बढ़ाया क्योंकि वे जानते थे कि केवल राजनीतिक मुक्ति से उनके सपनों का भारत नहीं बनेगा। उनका मानना था कि करोड़ों वंचितों की सामाजिक-आर्थिक मुक्ति ही स्वाधीन भारत की पहचान होनी चाहिए।

- (i) उपर्युक्त गद्यांश उपयुक्त शीर्षक है-
- (क) स्वाधीनता की पहचान (ख) राजनैतिक भेदभाव (ग)गांधीजी की आत्मकथा (घ)इनमें से कोई नहीं
- (ii) कौन लोग धर्म को नहीं जानते ?
- (क) जो राजनीति और धर्म के संबंध को मानते (ख) जो राजनीति और धर्म के संबंध को नहीं मानते
- . (ग)जो राजनीति को धर्म से अलग नहीं मानते (घ) उपर्युक्त सभी
- (iii) गद्यांश के आधार पर बताइए कि बीसवीं शताब्दी में भारत में क्या बड़ी घटना हुई ?
- (क) अर्हिंसक ढंग से स्वतंत्रता की प्राप्ति (ख) ब्रिटिश साम्राज्यवादी-उपनिवेशवादी व्यवस्था को उतार फेंका
- (ग) उपर्युक्त दोनों सही है
- (घ) इनमें से कोई नहीं
- (iv) गद्यांश के आधार पर लिखिए कि गांधी जी के सपनों का भारत कैसे बनेगा ?
- (क) राजनीतिक मुक्ति के साथ सामाजिक एवं धार्मिक ढाँचे के भीतर समानता से

(ख) राजनीतिक मुक्ति के बिना सामाजिक एवं धार्मिक ढाँचे के भीतर समानता से (ग) राजनीति मुक्ति के साथ सामाजिक एवं धार्मिक ढाँचे के भीतर असमानता से (घ) इनमें से कोई नहीं (v) महात्मा गांधी के लिए किस हेतु संघर्ष महत्त्वपूर्ण था? (ख) राजनैतिक और प्रशासनिक भेदभाव के खिलाफ (क) सामाजिक सुधार हेत् (ग) धार्मिक ढाँचे के भीतर भेदभाव के विरुद्ध (घ) उपर्युक्त सभी के लिए (vi) गांधीजी ने सत्यनारायण के दर्शन की पात्रता क्या मानी थी? (ख) सभी प्राणियों के प्रति आत्मवत प्रेम-भाव (क) धर्म को मानने वाला (ग) आर्थिक रूप से संपन्न (घ) स्वाधीन (vii) गद्यांश के आधार पर स्वाधीनता की व्यापक पहचान है-(क) राजनीतिक मुक्ति के साथ-साथ सांस्कृतिक संदर्भों में भी मुक्ति (ख)राजनीतिक मुक्ति के साथ-साथ सामाजिक संदर्भों में भी मुक्ति (ग) राजनीतिक मुक्ति के साथ-साथ आर्थिक संदर्भों में भी मुक्ति (घ) राजनीतिक मुक्ति के साथ-साथ सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक संदर्भों में भी मुक्ति (viii) निम्न में से इक प्रत्यय के योग से बना शब्द है-(क) सामाजिक (ख) राजनैतिक (ग)आर्थिक (घ) उपर्युक्त सभी (ix) धार्मिक' – मूल शब्द व प्रत्यय है-(क) धर्म +ईक (ख) धर्म + इक (ग) धार्म+इक (घ) धर्म + क (x) <u>मैं</u> निस्संकोच होकर कहता हुँ.... – रेखांकित पद है-(क) संज्ञा (ख) सर्वनाम (ग) विशेषण (घ) क्रिया (ब) निम्न काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :1x5=5 नीलांबर परिधान हरित पट पर सुन्दर है, सूर्य-चन्द्र युग मुकुट, मेखला रत्नाकर है, नदियाँ प्रेम प्रवाह, फूल तारे मंडल हैं, बंदीजन खग-वृंद शेषफन सिंहासन है, करते अभिषेक पयोद हैं, बलिहारी इस वेष की, हे मातृभूमि तू सत्य ही, सगुण मूर्ति सर्वेश की। जिसकी रज में लोट-लोट कर बड़े हुए हैं घुटनों के बल सरक-सरक कर खड़े हुए हैं, परमहंस सम बाल्यकाल में सब सुख पाए, जिसके कारण धूल भरे हीरे कहलाए, हम खेले कूदे हर्षयुत, जिसकी प्यारी गोद में। हे मातृभूमि तुझको निरख, मग्न क्यों न हो मोद में? (i) कवि किसके बारे में वर्णन कर रहा है ? (क)मातृभूमि (ख) ईश्वर (ग) देवभूमि (घ) नीलांबर (ii)कवि ने पृथ्वी का परिधान किसको बताया है ? (ख) नीलांबर को (घ) नदियों को (क) रत्नाकरको (ग) चन्द्र को (iii)धूलभरे हीरे किसे कहा गया है ? (क) मातृभूमि की अमूल्य संतान को। (ख) धूल मिट्टी उड़ाने वाले ।

(ग) धूल से भरे हीरे।

(घ) इनमें से कोई नहीं

(iv) 'परमहंस सम बाल्यकाल' पंक्ति में अलंकार है-

(क) यमक

(ख) उपमा

(ग)उत्प्रेक्षा

(घ)रुपक

(v)'समुद्र' का पर्यायवाची शब्द है:

(क) नीलांबर

(ख) रत्नाकर

(ग) बंदीजन

(घ) सिंहासन

अथवा

ब्रह्मा से कुछ लिखा भाग्य में मनुज नहीं लाया है अपना सुख उसने अपने भुजबल से ही पाया है प्रकृति नहीं डरकर झुकती है कभी भाग्य के बल से सदा हारती वह मनुष्य के उद्यम से श्रम-जल से ब्रह्मा का अभिलेख पढ़ा करते निरुद्यमी प्राणी धोते वीर कु-अंक भाल के बहा भ्रुवों के पानी भाग्यवाद आवरण पाप का और शस्त्र शोषण का जिससे रखता दबा एक जन भाग दूसरे जन का

- (i) 'शोषण का शस्त्र' किसे कहा गया है ?
- (क) परिश्रम को
- (ख) भुजबल को
- (ग) भाग्यवाद को

(घ) पाप के आवरण को

(ii) प्रकृति मनुष्य के आगे झुकती है:

(क) भाग्य से

(ख) स्वयं से

(ग) परिश्रम से

(घ) उपर्युक्त तीनों से

(iii) मनुष्य ने सुख पाया है :

(क) भाग्य के बल से

(ख) दूसरों के बल से

(ग) भुजबल से

(घ) उपर्युक्त तीनों से

(iv)इस काव्यांश से क्या प्रेरणा मिलती है?

- (क)शोषण करने की(ख) भाग्य के भरोसे बैठने की(ग)उद्यमी प्राणी बनने की(घ)निरुद्यमी प्राणी बनने की।
- (v) भाग्य का लेख कैसे लोग पढ़ते हैं?
- (क) उद्यमी
- (ख)निरुद्यमी
- (ग)परिश्रमी

(घ)उपर्युक्त तीनों

2. निम्नलिखित प्रश्नों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए:

1x5=5

(i) निम्न कथनों पर विचार कीजिए-

कथन (1) हिन्दी का पहला साप्ताहिक समाचार-पत्र उदत्त मार्तंड है।

कथन (2) भारत में पत्रकारिता की शुरूआत 1826 में हुई।

- (क) कथन 1 सही है
- (ख) कथन 2 सही है
- (ग) दोनों सही है
- (घ) दोनों गलत है

(ii)घटना के बारे में प्रत्यक्षदर्शियों या संबंधित व्यक्तियों का कथन दिखा और सुनाकर खबर की पुष्टि करना कहलाता है-

(क) ड्राइ एकर	(ख) लाइव	(ग) एंकर बाइट	(घ) एंकर विजुअल				
(iii)हिन्दी के पहले साप्ताहिक पत्र का संपादन किया गया-							
(क) पं. जुगल किशोर श्	_] क्ल द्वारा	(ख) पं. जुगल किशोर गु	प्त द्वारा				
(ग) बालमुकुंद गुप्त द्वार	Γ	(घ) इनमें से कोई नहीं					
(iv) समेकित माध्यम है	<u>-</u>						
(क) टी. वी.	(ख) इंटरनेट	(ग) अखबार	(घ) रेडियो				
(v) निम्न में से पत्रकार	का प्रकार है-						
(क) पूर्णकालिक	(ख) फ्रीलांसर	(ग) अंशकालिक	(घ) सभी				
3. (अ) निम्न काव्यांश व	_{को} पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के	लिए सही उत्तर वाले विक	ल्प चुनकर लिखिए : 1x5=5				
मुझसे मिलने व	को कौन विकल?						
मैं होऊँ किसके	•						
	न करता पद को, भरता उ	र में विह्वलता है!					
दिन जल्दी-जल							
	ाँ किस कविता से ली गई						
	विता के बहाने (ग) कै	*	(घ) सहर्ष स्वीकारा है				
` '	ाँ निम्न में से किस कवि द्वा	•					
(क) कुँवर नारायण	(ख) हरिवंशराय बच्चन	(ग) रघुवीर सहाय	(घ) शमशेर बहादुर सिंह				
(iii) प्रस्तुत काव्यांश के	भाव के सन्दर्भ में कौनसी	` `					
` '	की पीड़ा की अभिव्यक्ति		ति के लिए प्रेम ही प्रेरक होता है				
(ग) अकेलेपन का बोध	लौटते कदमों को शिथिल	एवं मन को विह्वल करता	है (घ) उपर्युक्त सभी				
(iv) कवि के पद शिथिल	ा और उर में विह्वलता क्	यों है?					
(क) घर में प्रतीक्षा करने वाले परिजन के न होने के कारण (ख) अकेलेपन के अनुभव के कारण							
• •	~		(ग) उपर्युक्त दोनों कारण (घ) उपर्युक्त दोनों नहीं				
(ग) उपर्युक्त दोनों कारप	π	(घ) उ	पर्युक्त दोनों नहीं				
• •	ग इलता है' में अलंकार है-	` ,					
(ग) उपर्युक्त दोनों कारप	ग इलता है' में अलंकार है-	(घ) उ (ग) पुनरूक्तिप्रकाश					
(ग) उपर्युक्त दोनों कारण (v) 'दिन जल्दी-जल्दी त (क) यमक 3. (ब) निम्न गद्यांश को	ग इलता है' में अलंकार है- (ख) रूपक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के ि	(ग) पुनरूक्तिप्रकाश ले <mark>ए सही उत्तर वाले विक</mark> ल्	(घ) मानवीकरण प चुनकर लिखिए : 1x5=5				
(ग) उपर्युक्त दोनों कारण (v) 'दिन जल्दी-जल्दी त (क) यमक 3. (ब) निम्न गद्यांश को सेवक धर्म में हनुमान	ग इलता है' में अलंकार है- (ख) रूपक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के रि जी से स्पर्द्धा करने वाली	(ग) पुनरूक्तिप्रकाश लेए सही उत्तर वाले विकल् भक्तिन किसी अंजना की	(घ) मानवीकरण त्प चुनकर लिखिए : 1x5=5 पुत्री न होकर एक अनामधन्या				
(ग) उपर्युक्त दोनों कारण (v) 'दिन जल्दी-जल्दी त (क) यमक 3. (ब) निम्न गद्यांश को सेवक धर्म में हनुमान गोपालिका की कन्या है	ग इलता है' में अलंकार है- (ख) रूपक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के जि जी से स्पर्द्धा करने वाली - नाम है लिखमन अर्थात्	(ग) पुनरूक्तिप्रकाश लेए सही उत्तर वाले विकल् भक्तिन किसी अंजना की लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम	(घ) मानवीकरण त्प चुनकर लिखिए : 1x5=5 पुत्री न होकर एक अनामधन्या की विशालता मेरे लिए दुर्वह है,				
(ग) उपर्युक्त दोनों कारण (v) 'दिन जल्दी-जल्दी त (क) यमक 3. (ब) निम्न गद्यांश को सेवक धर्म में हनुमान गोपालिका की कन्या है वैसे ही लक्ष्मी की समृश्	ग इलता है' में अलंकार है- (ख) रूपक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के जि जी से स्पर्द्धा करने वाली - नाम है लिखमन अर्थात् द्धि भक्तिन के कपाल की	(ग) पुनरूक्तिप्रकाश लेए सही उत्तर वाले विकत भक्तिन किसी अंजना की लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम कुंचित रेखाओं में नहीं बँध	(घ) मानवीकरण त्प चुनकर लिखिए : 1x5=5 पुत्री न होकर एक अनामधन्या की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, इ सकी। वैसे तो जीवन में प्राय:				
(ग) उपर्युक्त दोनों कारण (v) 'दिन जल्दी-जल्दी त (क) यमक 3. (ब) निम्न गद्यांश को सेवक धर्म में हनुमान गोपालिका की कन्या है वैसे ही लक्ष्मी की समृशि सभी को अपने-अपने न	ग इलता है' में अलंकार है- (ख) रूपक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के जि जी से स्पर्द्धा करने वाली - नाम है लिछमन अर्थात् द्धि भक्तिन के कपाल की ाम का विरोधाभास लेकर	(ग) पुनरूक्तिप्रकाश लेए सही उत्तर वाले विकत भक्तिन किसी अंजना की लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम कुंचित रेखाओं में नहीं बँध	(घ) मानवीकरण त्प चुनकर लिखिए : 1x5=5 पुत्री न होकर एक अनामधन्या की विशालता मेरे लिए दुर्वह है,				
(ग) उपर्युक्त दोनों कारण (v) 'दिन जल्दी-जल्दी त (क) यमक 3. (ब) निम्न गद्यांश को सेवक धर्म में हनुमान गोपालिका की कन्या है वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि सभी को अपने-अपने न अपना समृद्धिसूचक नाय	ग इलता है' में अलंकार है- (ख) रूपक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के जि जी से स्पर्द्धा करने वाली - नाम है लछिमन अर्थात् द्धि भक्तिन के कपाल की ाम का विरोधाभास लेकर म किसी को बताती नहीं।	(ग) पुनरूक्तिप्रकाश लेए सही उत्तर वाले विकत भक्तिन किसी अंजना की लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम कुंचित रेखाओं में नहीं बँध	(घ) मानवीकरण त्प चुनकर लिखिए : 1x5=5 पुत्री न होकर एक अनामधन्या की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, इ सकी। वैसे तो जीवन में प्राय:				
(ग) उपर्युक्त दोनों कारण (v) 'दिन जल्दी-जल्दी त (क) यमक 3. (ब) निम्न गद्यांश को सेवक धर्म में हनुमान गोपालिका की कन्या है वैसे ही लक्ष्मी की समृि सभी को अपने-अपने न अपना समृद्धिसूचक नाय (i) प्रस्तुत गद्यांश के रच	ग इलता है' में अलंकार है- (ख) रूपक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के जि जी से स्पर्द्धा करने वाली - नाम है लछिमन अर्थात् द्धि भक्तिन के कपाल की ाम का विरोधाभास लेकर म किसी को बताती नहीं।	(ग) पुनरूक्तिप्रकाश लेए सही उत्तर वाले विकत भक्तिन किसी अंजना की लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम कुंचित रेखाओं में नहीं बँध जीना पड़ता है; पर भक्ति	(घ) मानवीकरण त्य चुनकर लिखिए : 1x5=5 पुत्री न होकर एक अनामधन्या की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, इसकी। वैसे तो जीवन में प्राय: न बहुत समझदार है, क्योंकि वह				
(ग) उपर्युक्त दोनों कारण (v) 'दिन जल्दी-जल्दी त (क) यमक 3. (ब) निम्न गद्यांश को सेवक धर्म में हनुमान गोपालिका की कन्या है वैसे ही लक्ष्मी की समृि सभी को अपने-अपने न अपना समृद्धिसूचक नाय (i) प्रस्तुत गद्यांश के रच (क) जैनेन्द्र कुमार	ग इलता है' में अलंकार है- (ख) रूपक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के जि - नाम है लछिमन अर्थात् द्धि भक्तिन के कपाल की ाम का विरोधाभास लेकर म किसी को बताती नहीं। (ख) महादेवी वर्मा	(ग) पुनरूक्तिप्रकाश लेए सही उत्तर वाले विकल भक्तिन किसी अंजना की लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम कुंचित रेखाओं में नहीं बँध जीना पड़ता है; पर भक्ति (ग) भक्तिन	(घ) मानवीकरण त्प चुनकर लिखिए : 1x5=5 पुत्री न होकर एक अनामधन्या की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, इ सकी। वैसे तो जीवन में प्राय:				
(ग) उपर्युक्त दोनों कारण (v) 'दिन जल्दी-जल्दी त (क) यमक 3. (ब) निम्न गद्यांश को सेवक धर्म में हनुमान ज् गोपालिका की कन्या है वैसे ही लक्ष्मी की समृश् सभी को अपने-अपने न अपना समृद्धिसूचक नाय (i) प्रस्तुत गद्यांश के रच (क) जैनेन्द्र कुमार (ii) भक्तिन के सन्दर्भ में	ग इलता है' में अलंकार है- (ख) रूपक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के जि - नाम है लछिमन अर्थात् द्धि भक्तिन के कपाल की मिका विरोधाभास लेकर मिकसी को बताती नहीं। (ख) महादेवी वर्मा हनुमान जी का उल्लेख हु	(ग) पुनरूक्तिप्रकाश लेए सही उत्तर वाले विकल भक्तिन किसी अंजना की लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम कुंचित रेखाओं में नहीं बँध जीना पड़ता है; पर भक्ति (ग) भक्तिन आ है-	(घ) मानवीकरण त्प चुनकर लिखिए : 1x5=5 पुत्री न होकर एक अनामधन्या की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, घ सकी। वैसे तो जीवन में प्राय: न बहुत समझदार है, क्योंकि वह (घ) धर्मवीर भारती				
(ग) उपर्युक्त दोनों कारण (v) 'दिन जल्दी-जल्दी त (क) यमक 3. (ब) निम्न गद्यांश को सेवक धर्म में हनुमान गोपालिका की कन्या है वैसे ही लक्ष्मी की समृि सभी को अपने-अपने न अपना समृद्धिसूचक नाय (i) प्रस्तुत गद्यांश के रच (क) जैनेन्द्र कुमार (ii) भक्तिन के सन्दर्भ में (क) समझदारी के लिए	ग इलता है' में अलंकार है- (ख) रूपक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के जि जी से स्पर्द्धा करने वाली - नाम है लिछमन अर्थात् द्धि भक्तिन के कपाल की ाम का विरोधाभास लेकर म किसी को बताती नहीं। (ख) महादेवी वर्मा हनुमान जी का उल्लेख हु (ख) स्पर्द्धा के लिए	(ग) पुनरूक्तिप्रकाश लेए सही उत्तर वाले विकत भक्तिन किसी अंजना की लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम कुंचित रेखाओं में नहीं बँध जीना पड़ता है; पर भक्ति (ग) भक्तिन आ है- (ग) सेवा भाव के लिए	(घ) मानवीकरण त्प चुनकर लिखिए : 1x5=5 पुत्री न होकर एक अनामधन्या की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, घ सकी। वैसे तो जीवन में प्राय: न बहुत समझदार है, क्योंकि वह (घ) धर्मवीर भारती				
(ग) उपर्युक्त दोनों कारण (प) 'दिन जल्दी-जल्दी त (क) यमक 3. (ब) निम्न गद्यांश को सेवक धर्म में हनुमान गोपालिका की कन्या है वैसे ही लक्ष्मी की समृशि सभी को अपने-अपने न अपना समृद्धिसूचक नाय (i) प्रस्तुत गद्यांश के रच (क) जैनेन्द्र कुमार (ii) भक्तिन के सन्दर्भ में (क) समझदारी के लिए (iii) इस गद्यांश में लक्ष्म	ग इलता है' में अलंकार है- (ख) रूपक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के जि जी से स्पर्द्धा करने वाली - नाम है लछिमन अर्थात् द्धि भक्तिन के कपाल की ाम का विरोधाभास लेकर म किसी को बताती नहीं। यिता है- (ख) महादेवी वर्मा हनुमान जी का उल्लेख हु (ख) स्पर्द्धा के लिए गी किसका वास्तविक नाम	(ग) पुनरूक्तिप्रकाश लेए सही उत्तर वाले विकर भक्तिन किसी अंजना की लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम कुंचित रेखाओं में नहीं बँध जीना पड़ता है; पर भक्ति (ग) भक्तिन आ है- (ग) सेवा भाव के लिए है?	(घ) मानवीकरण त्य चुनकर लिखिए: 1x5=5 पुत्री न होकर एक अनामधन्या की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, घ सकी। वैसे तो जीवन में प्राय: त बहुत समझदार है, क्योंकि वह (घ) धर्मवीर भारती (घ) शक्ति के लिए				
(ग) उपर्युक्त दोनों कारण् (प) 'दिन जल्दी-जल्दी त (क) यमक 3. (ब) निम्न गद्यांश को सेवक धर्म में हनुमान ज् गोपालिका की कन्या है वैसे ही लक्ष्मी की समृधि सभी को अपने-अपने न अपना समृद्धिसूचक नाय (i) प्रस्तुत गद्यांश के रच (क) जैनेन्द्र कुमार (सं) भक्तिन के सन्दर्भ में (क) समझदारी के लिए (सं) इस गद्यांश में लक्ष्म (क) लेखिका	ग इलता है' में अलंकार है- (ख) रूपक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के जि जी से स्पर्द्धा करने वाली - नाम है लिछमन अर्थात् द्धि भक्तिन के कपाल की मिका विरोधाभास लेकर मिकसी को बताती नहीं। (ख) महादेवी वर्मा हनुमान जी का उल्लेख हु (ख) स्पर्द्धा के लिए गिकिसका वास्तविक नाम (ख) भक्तिन	(ग) पुनरूक्तिप्रकाश लेए सही उत्तर वाले विकल भक्तिन किसी अंजना की लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम कुंचित रेखाओं में नहीं बँध जीना पड़ता है; पर भक्ति (ग) भक्तिन आ है- (ग) सेवा भाव के लिए है? (ग) अंजना	(घ) मानवीकरण त्प चुनकर लिखिए: 1x5=5 पुत्री न होकर एक अनामधन्या की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, घ सकी। वैसे तो जीवन में प्राय: न बहुत समझदार है, क्योंकि वह (घ) धर्मवीर भारती (घ) शक्ति के लिए				
(ग) उपर्युक्त दोनों कारण् (v) 'दिन जल्दी-जल्दी त (क) यमक 3. (ब) निम्न गद्यांश को सेवक धर्म में हनुमान न गोपालिका की कन्या है वैसे ही लक्ष्मी की समृि सभी को अपने-अपने न अपना समृद्धिसूचक नाय (i) प्रस्तुत गद्यांश के रच (क) जैनेन्द्र कुमार (ii) भक्तिन के सन्दर्भ में (क) समझदारी के लिए (iii) इस गद्यांश में लक्ष्म (क) लेखिका (iv) वह अपना समृद्धिस	ग इलता है' में अलंकार है- (ख) रूपक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के जि जी से स्पर्द्धा करने वाली - नाम है लिछमन अर्थात् द्धि भक्तिन के कपाल की ाम का विरोधाभास लेकर म किसी को बताती नहीं। (ख) महादेवी वर्मा हिनुमान जी का उल्लेख हु (ख) स्पर्द्धा के लिए गि किसका वास्तविक नाम (ख) भक्तिन	(ग) पुनरूक्तिप्रकाश लेए सही उत्तर वाले विकत भक्तिन किसी अंजना की लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम कुंचित रेखाओं में नहीं बँध जीना पड़ता है; पर भक्ति (ग) भक्तिन (ग) सेवा भाव के लिए है? (ग) अंजना गि नहीं। -यहाँ किस नाम व	(घ) मानवीकरण त्प चुनकर लिखिए: 1x5=5 पुत्री न होकर एक अनामधन्या की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, ब्र सकी। वैसे तो जीवन में प्राय: न बहुत समझदार है, क्योंकि वह (घ) धर्मवीर भारती (घ) शक्ति के लिए (घ) अंजना की पुत्री को समृद्धिसूचक कहा है?				
(ग) उपर्युक्त दोनों कारण् (v) 'दिन जल्दी-जल्दी त (क) यमक 3. (ब) निम्न गद्यांश को सेवक धर्म में हनुमान न गोपालिका की कन्या है वैसे ही लक्ष्मी की समृि सभी को अपने-अपने न अपना समृद्धिसूचक नाय (i) प्रस्तुत गद्यांश के रच (क) जैनेन्द्र कुमार (ii) भक्तिन के सन्दर्भ में (क) समझदारी के लिए (iii) इस गद्यांश में लक्ष्म (क) लेखिका (iv) वह अपना समृद्धिस	ग इलता है' में अलंकार है- (ख) रूपक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के जि जी से स्पर्द्धा करने वाली - नाम है लिछमन अर्थात् द्धि भक्तिन के कपाल की मिका विरोधाभास लेकर मिकसी को बताती नहीं। (ख) महादेवी वर्मा हनुमान जी का उल्लेख हु (ख) स्पर्द्धा के लिए गिकिसका वास्तविक नाम (ख) भक्तिन	(ग) पुनरूक्तिप्रकाश लेए सही उत्तर वाले विकत भक्तिन किसी अंजना की लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम कुंचित रेखाओं में नहीं बँध जीना पड़ता है; पर भक्ति (ग) भक्तिन (ग) सेवा भाव के लिए है? (ग) अंजना गि नहीं। -यहाँ किस नाम व	(घ) मानवीकरण त्प चुनकर लिखिए: 1x5=5 पुत्री न होकर एक अनामधन्या की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, घ सकी। वैसे तो जीवन में प्राय: न बहुत समझदार है, क्योंकि वह (घ) धर्मवीर भारती (घ) शक्ति के लिए				

(v) पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, इस पंक्ति में मेरे से आशय है-					
(क) भक्तिन	(ख) लक्ष्मी	(ग) लेखिका	(घ) अंजना		
4. निम्नलिखित प्रश्नों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए। 1x10=10					
(i) सिल्वर वैर्डिंग साहित्य की कौनसी विधा है?					
(क) निबंध	(ख) कहानी	(ग) आत्मकथा	(घ) यात्रावृत्त		
(ii) यशोधर बाबू ने किशनदा से निम्न में से किन जीवन मूल्यों को पाया था?					
(क) अनुशासन	(ख) कार्यनिष्ठा	(ग) सिध्दांतप्रियता	(घ) उपर्युक्त सभी		
(iii)यशोधर बाबू के चरित्र की विशेषता नहीं है-					
(क) समय के पाबंद	(ख) आधुनिक	(ग) मानवीय मूल्यों में	वेश्वास (घ)परंपरावादी		
(iv) सिल्वर वैर्डिंग कहानी के सन्दर्भ में असंगत है-					
(क) यशोधर बाबू अनिर्ण	यि की स्थिति में हैं।				
(ख) जो हुआ होगा में ज्यों का त्यों स्वीकार कर लेने का भाव है।					
• •	योजन में यशोधर बाबू की	`			
(घ) किशनदा के व्यक्तित्व का यशोधर बाबू पर बहुत ज्यादा प्रभाव था।					
(v) किशन दा और यशोधर बाबू के संबंधों के बारे में असंगत है-					
(क) दोनों के संबंध स्नेहपूर्ण, प्रगाढ़ व असीम					
(ख) यशोधर दूर होने के बाद किशनदा को धीरे-धीरे भूल गए					
(ग) किशन दा यशोधर ब		5 5. 5.			
• • •	किशन दा की जीवन शैली				
(vi) कविता के प्रति लगाव के बाद जूझ के लेखक की धारणा में क्या बदलाव आया?					
(क) आशावादी एवं आत्मविश्वासी बन गया					
(ग) कविता सृजन में विश	व्र स्वीकार्य नहीं	(घ) उपर्युक्त स	भी		
(vii) जूझ पाठ के आधार पर बताइए कि पढ़ाई – लिखाई के संबंध में किसका रवैया सही नहीं था?					
(क) लेखक का	(ख) दत्ताजी राव का	(ग) लेखक के पिता का	(घ) लेखक की माता का		
(viii) जूझ के लेखक के जीवन संघर्ष के सन्दर्भ में असंगत है-					
(क) पाठशाला जाने के लिए संघर्ष		(ख) कक्षा में स्थ	(ख) कक्षा में स्थान बनाने के लिए संघर्ष		
(ग) आदर्श पारिवारिक परिस्थितियों के लिए संघर्ष		र्घ (घ) कोई नहीं			
(ix) जूझ पाठ के कथानायक की कौनसी चारित्रिक विशेषता नहीं है?					
(क) काव्य प्रेमी	(ख) परिश्रमी	(ग) असंवेदनर्श	ोल (घ) जुझारू		
(x)जूझ पाठ है-					
(क) आत्मकथात्मक उपन	यास (ख) कहानी	(ग) जीवनी	(घ) यात्रावृत्त		

खंड 'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न)

5. (1) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए: 6

(क) दीया और तुफ़ान

(ख) जहाँ न पहुँचे रवि वहाँ पहुँचे कवि

(ग) मेरे मुहल्ले का चौराहा

(घ) मैं और मेरा सपना

5. (ख) 1. कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय किन महत्त्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना चाहिए? 3

अथवा

रेडियो नाटक तैयार करते समय किन किन बातों का विशेष ध्यान रखा जाना जरूरी है?

2. कहानी में पात्रों के संवादों का क्या महत्त्व है?

3

अथव

अप्रत्याशित लेखन का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए?

5. (ग) निम्न में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें-

4X2=8

- 1. उलटा पिरामिड शैली से आप क्या समझते हैं?
- 2. किसी समाचार लेखन में ककारों की पहचान कैसे करते हैं?
- 3. विभिन्न जन संचार माध्यमों में मुख्य मुख्य अंतर स्पष्ट कीजिए?

6 (I). निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के लगभग 50-60 शब्दों में उत्तर लिखिए:

3x2=6

- (क) "कैमरे में बंद अपाहिज' करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है'? इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।
- (ख) 'कविता के बहाने' कवि ने किन-किन से कविता का संबंध जोड़ा है और कैसे?
- (ग) दिन ढलने पर किव के पद शिथिल होने और उर में विह्वलता का अनुभव होने के क्या कारण हैं? 'एक गीत' के आधार पर लिखिए।

6 (II). निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के लगभग 30-40 शब्दों में उत्तर लिखिए: 2x2=4

- (क) सब घर एक कर देने के माने बच्चा ही जाने । ये पंक्तियाँ किस कविता से हैं और इसके कवि कौन हैं?
- (ख) 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है!' की आवृत्ति से 'एक गीत' कविता में क्या प्रभाव उत्पन्न हो रहा है?
- (ग) जीवन की प्रत्येक परिस्थिति को कवि क्यों सहर्ष स्वीकारता है?'सहर्ष स्वीकारा है' के आधार पर बताइए।

6 (III). निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के लगभग 50-60 शब्दों में उत्तर लिखिए: 3x2=6

- (क) पहलवान की ढोलक का गाँव वालों पर क्या प्रभाव होता था?
- (ख) मेंढ़क-मंडली से लेखक का क्या तात्पर्य है? वह उन पर पानी डालने को क्यों व्यर्थ मानता था?
- (ग) बाज़ार के जादू से क्या आशय है? इस जादू से कैसे बचा जा सकता है?

6 (IV). निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के लगभग 30-40 शब्दों में उत्तर लिखिए: 2x2=4

- (क) इंद्र सेना किसे कहा गया है और क्यों? 'काले मेघा पानी दे' के आधार पर बताइए।
- (ख) भक्तिन पाठ के आधार पर भक्तिन के व्यक्तित्व की दो विशेषताओं का सोदाहरण उल्लेख कीजिए।
- (ग) लेखक जैनेन्द्र कुमार ने क्यों कहा कि 'मन खाली हो, तब बाज़ार न जाओ'?
